योग संदेश

योग, अध्यात्म, आयुर्वेद, संस्कृति एवं संस्कार की संवाहक अनुसंधानात्मक मासिक पत्रिका

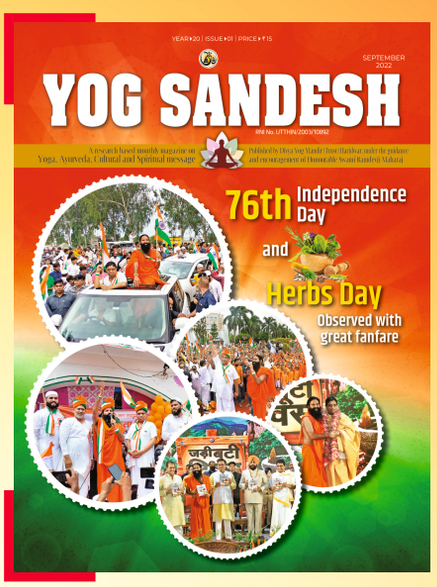

योग

आयुर्वेद

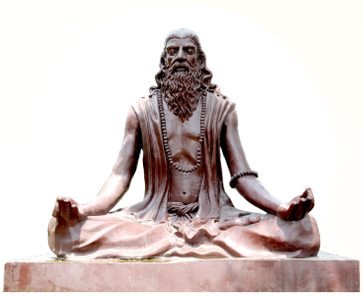

संस्कृति

अध्यात्म

योग सन्देश पत्रिका की वार्षिक सदस्यता के लाभ

खुशहाल जीवन : यह पत्रिका योगऋषि परम पूज्य स्वामी रामदेव जी के पावन सानिध्य में संचालित अध्यात्म, योग, आयुर्वेद, और मानव-सेवा पर आधारित दृष्टिकोण व प्रेरणा प्रदान करने वाली, परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए एक संतुलित और पूर्ण खुशहाल जीवन जीने के लिए एक व्यापक मार्गदर्शन देने वाली पत्रिका है।

'शाश्वत प्रज्ञा' : इसकी सबसे प्रमुख विशेषता **योगऋषि परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज** के द्वारा विभिन्न प्रेरक ज्ञानवर्धक विषयों पर स्वयं उनके द्वारा लिखे जाने वाला 'शाश्वत प्रज्ञा' के नाम से मासिक सन्देश है जो जीवन को दिव्य रूप से जीने के लिए अद्भुत प्रेरणा देता है। यह लेख अत्यंत प्रेरक होता है। इस सन्देश में परम पूज्य स्वामी जी अध्यात्म, योग, आयुर्वेद, और सेवा के विषय में गहरे दर्शन प्रस्तुत करते हैं। ये शिक्षाएं दिव्य जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं।

विशेषज्ञ ज्ञान : इस मासिक पत्रिका में **आयुर्वेद महापंडित परम श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज** का भी मासिक प्रेरक ज्ञानवर्धक लेख प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त पूज्य आचार्य श्री जी के सानिध्य में इस पत्रिका में योग, आयुर्वेद, अध्यात्म, संस्कृति आदि विभिन्न विषयों पर विद्वानों द्वारा लिखित अनुसंधानात्मक लेख भी निरंतर मासिक रूप से उपलब्ध होते हैं जो हमारे परिवार के स्वास्थ्य, खुशहाली, श्रेष्ठ विचारों, उत्तम जीवन के लिए उपयोगी है। उनका ज्ञान हमें स्वस्थ और उद्देश्यपूर्ण जीवन की समझ में मदद करता है।

परंपरा का पुनर्जीवन : पत्रिका प्राचीन परंपराओं और अभ्यासों को प्रोत्साहित करती है, पाठकों को विशेष ज्ञान व श्रेष्ठ जीवनशैली को अपनाने हेतु प्रेरित करती है। यह हमारे सांस्कृतिक धरोहर से हमारे संबंध को पुनः संजीवन करती है।

वार्षिक सदस्यता : यह पत्रिका एक साल के लिए मात्र 500 रुपए में उपलब्ध है, इससे 100 गुना अधिक पैसा हम एक साल में बाजार से तला भुना भोजन, स्नैक्स, जंक फूड , कोल्ड ड्रिंक आदि का सेवन करने, फ़िल्में देखने में अनावश्यक खर्च कर देते हैं, जिससे हमें और हमारे परिवार को कोई लाभ नहीं होता। इसके विपरीत यह एक पत्रिका हमें तथा हमारे परिवार के प्रत्येक सदस्य को सही दिशा में जीवन जीने और दिव्य प्रेरणा देने के लिए पर्याप्त है और यह पत्रिका आपको पतंजलि परिवार से जुड़े रहने का भी आभास कराती है।

Subscriber Form of Yog Sandesh

Serial No. : ..... Subscriber No. : ..... Receipt No. : .....

To,

The Editor Yog Sandesh (Monthly)
C/o Divya Yog Mandir (Trust)
Office : Patanjali Yogpeeth,
Maharishi Dayanand Gram, Delhi-Haridwar National Highway,
Near Bahadrabad, Hardwar-249405, Uttarakhand (India)

Language : Tick (✓) at appropriate box :
Hindi ☐ English ☐

Sir,

I am remitting fee for 'Yog Sandesh' as annual member. Other details are :

Amount (Rs.) ☐☐☐☐ TimePeriod ☐☐

Date ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

So kindly arrange to send the magazine at the following address :

Name
Address
District
State Pin
Mob. No.

Note :

1. Subscription Fee - (i) In India : Annual Rs. 500/-
2. Please fill your complete name and address clearly.
3. If the magazine is not received by 15th of every month, then contact at our phone numbers.
4. Details for depositing membership fee directly into the account of Yog Sandesh-

Bank Name	:	State Bank of India
Account Number	:	30721914467
Branch	:	Patanjali Yogpeeth, Shantarshah, Haridwar
IFSC Code	:	SBIN0012228

Yours

To cut from here

(For official use only)
Sr. No. .....

Ph.No. : 01334-244107,246737
240008, 248888, 248999
e-mail : yogsandesh@divyayoga.com
divyaprakashan@divyayoga.com

Yog Sandesh

C/o Divya Yog Mandir (Trust)

Office : Patanjali Yogpeeth, Maharishi Dayanand Gram, Delhi-Haridwar National Highway, Near Bahadrabad, Haridwar

This is to certiry that a sum of Rs. ..... has been received from Shri/Miss/Smt. ..... resident of ..... on account of Annual Subscription Fee of 'Yog Sandesh' Vide Receipt No. : ..... Dated : .....

Note: To become a member in Patanjali Wellness, you are warmly welcome at the reception of Shraddhalayam Block.

Signature of Cashier